their social and developmental needs; it is the developed countries which should take the lead in combating climate change and adverse effects thereof, since the global environmental problems being now faced are largely of their making. India also took the lead in the setting up of a group to discuss enhanced commitments by developed countries.

The Indian delegation successfully opposed the German proposal bracketing India with the developed countries in limiting Green House Gas emissions.

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में कुटीर उद्योगों को सुविधाएं दिया जाना

*212. **श्री गोविन्दराम मिरी:** क्या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) फल प्रसंस्करण उद्योगों को कुटीर उद्योगों के रूप में चला रहे उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा क्या सुविधाएं प्रदान की गई हैं;

(ख) क्या इनमें और वृद्धि करने के कुछ प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन हैं; और

(ग) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई): (क) से (ग) लघु तथा कुटीर फल और सब्जी प्रसंस्करण एककों की स्थापना के लिए उद्यमियों को प्रत्साहित तथा लैस करने की दृष्टि से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय आठवीं पंचवर्षीय योजना के तहत एक स्कीम चला रहा है। जिसमें स्वैच्छिक संगठनों समेत उन संगठनों को सहायता दी जाती है जो लघु तथा कुटीर खाद्य प्रसंस्करण एककों विशेष रूप से फल तथा सब्जी प्रसंस्करण एककों की स्थापना के इच्छुक उद्यमियों के प्रशिक्षण हेतु खाद्य प्रसंस्करण तथा प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना/उन्हें चलाने के इच्छुक हैं। ऐसे उद्यमियों के लिए प्रधानमंत्री रोजगार योजना, एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम, ग्रामीण क्षेत्रों में महिला तथा बच्चों का विकास आदि जैसी सरकार की विभिन्न स्कीमों के तहत वित्तीय सहायता उपलब्ध है। खादी तथा ग्राम उद्योग बोर्ड ऐसी लघु तथा कुटीर एककों के उत्पादों के विपणन में मदद करता है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भी एक योजना स्कीम चला रहा है जिसके तहत ऐसे लघु एककों के उत्पादों का विपणन करने वाले संगठनों को सहायता उपलब्ध कराई जाती है। कुटीर स्तर के फल तथा सब्जी प्रसंस्करण एककों के लिए फल उत्पाद आदेश के तहत लाइसेंस शुल्क केवल 250/- रु. प्रति वर्ष है, जबकि बड़े एककों के लिए 1500 रु. है। अच्छे किस्म का उत्पादन करने के लिए लघु तथा कुटीर एककों को फल तथा सब्जी प्रसंस्करण निदेशालय के अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है।

Revision of Pay Scales of Draftsmen in Railways

*213. SHRI S. MUTHU MANI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether his Ministry has received any representations from the Trade Unions with regard to revision of pay scales of Draftsmen Grade I to III working in Railways;

(b) if so, what action has been initiated by the Ministry to implement the same;

(c) whether it is a fact that with reference to an arbitration in the case of CPWD, the Ministry of Finance has issued instructions that the Draftsmen Gr. I, II and III working in Offices/ Departments of Government of India other than in CPWD be given revision in pay to the Draftsmen Grade referred to above; and

(d) if so, the reasons for which the same has not been implemented in Railways?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFFER SHARIEF): (a) Yes, Sir.

(b) This Ministry has taken a decision not to revise the pay scales of Draftsmen.

(c) Yes, Sir.

(d) Draftsmen on the Railways already have better pay scales and prospects of promotion.

फलों और सब्जियों का उत्पादन और बर्बादी

*214. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:**
चौधरी हरमोहन सिंह:

क्या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश में प्रतिवर्ष फलों और सब्जियों का कुल कितना उत्पादन हुआ;

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक फलों और सब्जियों के उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है;